

अपात्र व्यक्तियों ने 31 जनवरी तक नाम वापस नहीं लिए तो सख्त एक्शन होगा : सुमित गोदारा

जयपुर। अपात्र और सक्षम व्यक्तियों द्वारा खाद्य सुरक्षा योजना में अनुचित तरीके से लाभ उठाने वालों के खिलाफ सरकार सख्त कार्रवाई करने वाली है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने बताया कि गिव अप अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का प्रदेशभर में व्यापक असर हो रहा है। हजारों लोग आगे आकर अपना नाम खाद्य सुरक्षा योजना से हटा रहे हैं। अपात्र व्यक्तियों को इस योजना के दायरे से बाहर निकाले जाने का कार्य विभाग की ओर से लगातार किया जा रहा है। गोदारा ने बताया कि 31 जनवरी तक सक्षम और अपात्र परिवारों को इस योजना से अपना नाम हटा लेना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर 31 जनवरी के बाद विभाग की ओर

से सख्त एक्शन लिया जाएगा। योजना का अनुचित लाभ लेने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही वसूली की कार्रवाई भी की जाएगी। मंत्री गोदारा ने कहा कि जबरन हटाए गए लोगों को इस योजना का अधिक से अधिक लाभ मिल सके। इसी उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। गोदारा ने बताया कि गिव अप अभियान लंबे समय से चल रहा है। प्रदेश के लोग आगे आकर इस अभियान में हिस्सा ले रहे हैं। प्रदेशभर में लगभग 7 लाख अपात्र व्यक्तियों के नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटाए गए हैं। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस अभियान से जोड़ने के लिए जनजागृति कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं ताकि लोग आगे आकर योजना का

- गिव अप अभियान का बड़ा असर : 2 महीने में लगभग 7 लाख व्यक्तियों के नाम खाद्य सुरक्षा योजना से हटाए गए
- 'वंचित जबरन हटाए गए लोगों तक खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ पहुंचाना सरकार का मुख्य उद्देश्य'

अनुचित लाभ लेना छोड़ें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना का उद्देश्य

जबरन हटाए गए लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराना है। हालांकि कई सक्षम व्यक्तियों के योजना में शामिल होने के कारण पात्र और जबरन हटाए गए इस योजना के लाभ से वंचित हो रहे हैं। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार ने अपात्र व्यक्तियों को योजना से स्वेच्छा से बाहर निकालने का विकल्प दिया है। सक्षम और अपात्र परिवारों को खाद्य सुरक्षा योजना से नाम हटाने के लिए स्थानीय उचित मूल्य की दुकान जाना होगा। वहां पर निर्धारित फॉर्म को भरना होगा। दरअसल यह फॉर्म एक तरह का घोषणा पत्र है जिसके जरिए व्यक्ति द्वारा स्वयं की इच्छा से खाद्य सुरक्षा योजना के तहत लाभ नहीं लेने की अपील की जाती है। जो परिवार अपात्र है या जो सक्षम है। उन्हें यह फॉर्म भरकर जमा कराना है।

इसके बाद विभाग की ओर से संबंधित परिवार का नाम योजना से हटा दिया जाएगा। 31 जनवरी 2025 के बाद अगर कोई व्यक्ति अनुचित रूप से लाभ लेते पाए गए तो विभाग की ओर से खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय के तहत कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। खाद्य सुरक्षा में अनुचित लाभ लेने वालों के करीब 7 लाख लोगों के नाम इस योजना से हटाए गए। सर्वाधिक 71932 व्यक्तियों के नाम अलवर जिले में हटाए गए। सर्वाधिक नाम हटाने वालों में दूसरे स्थान जयपुर जिला है जहां 41806 व्यक्तियों के नाम हटाए गए। तीसरे स्थान पर उदयपुर में 40314 अपात्र लोगों के नाम हटाए गए।

राष्ट्र निर्माण में नई पीढ़ी को तराशने का कार्य करते हैं शिक्षक : डॉ. पूनिया



भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया का जयपुर के आमेर विधानसभा क्षेत्र के राजावास में स्वागत किया गया।

जयपुर। भाजपा हरियाणा संगठन प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने जयपुर के आमेर विधानसभा क्षेत्र के राजावास में 1.12 करोड़ रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इस दौरान विधायक प्रशांत शर्मा, जिला प्रमुख रमा देवी, उप जिला प्रमुख मोहन डारग इत्यादि सहित व स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

- डॉ. सतीश पूनिया ने राजावास में 1.12 करोड़ रुपये की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण किया
- राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद के प्रांतीय अधिवेशन में शामिल हुये डॉ. पूनिया और मदन दिलावर

सतीश पूनिया ने राजावास में पशु चिकित्सालय उपकेंद्र, सामुदायिक भवन, राजकीय विद्यालय में दो कक्षा-कक्ष, राजकीय विद्यालय में संबोधित बास्केटबॉल खेल मैदान, राजकीय विद्यालय राजारामपुरा में कक्षा-कक्ष,

राजावास मुख्य गांव से यादवों की ढाणी सीसी तक सड़क निर्माण कार्य इत्यादि विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इसके बाद जयपुर में आयोजित राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद के प्रांतीय अधिवेशन में डॉ. सतीश पूनिया और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने संबोधित किया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से पधारे शिक्षक शामिल हुये। डॉ. पूनिया ने कहा कि, समाज, प्रदेश और राष्ट्र के उत्थान में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, माता-पिता के साथ-साथ बच्चे में संस्कार निर्माण व शिक्षा को नींव मजबूत करने में शिक्षक बड़ी सकारात्मक भूमिका निभाते हैं, जन-जन में गुरुकी का सम्मान सर्वोच्च होता है, एक तरह से राष्ट्र निर्माण में नई पीढ़ी को तराशने का कार्य शिक्षक करते हैं।

21 करोड़ की लागत से लवाण सब-स्टेशन का संचालन शुरू

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की किसानों को वर्ष 2027 से दिन में अच्छी गुणवत्ता की बिजली उपलब्ध करवाने के निर्देशों की पालना में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुये विद्युत प्रसारण निगम ने दौसा जिले में सब-स्टेशन, लवाण का संचालन शुरू कर दिया गया है।



विद्युत प्रसारण निगम ने दौसा जिले में 132 केवी ग्रीड सब-स्टेशन, लवाण का संचालन शुरू किया।

प्रसारण निगम के प्रबन्ध निदेशक नथमल डिडेल ने बताया कि अभी तक लवाण के आस-पास के इलाकों में बिजली सप्लाई 220 केवी ग्रीड सब-स्टेशन, दौसा व 132 केवी ग्रीड सब-स्टेशन, तृंगा से होती थी जिससे वोल्टेज में उतार-चढ़ाव रहता था, इसी कारण लवाण में 132 केवी ग्रीड सब-स्टेशन बनाने की आवश्यकता काफी समय से महसूस की जा रही थी। 132 केवी ग्रीड सब-स्टेशन लवाण के बनने से बनियाना, पाटन, लवाण एवं आस-पास के क्षेत्रों की विद्युत एीजत में कमी आयेगी, वोल्टेज में सुधार होगा एवं निबंध विद्युत आपूर्ति होगी।

रुपये की लागत आई है तथा इस ग्रीड सब-स्टेशन के निर्माण में लगभग

15.66 लाख यूनिट प्रतिवर्ष विद्युत एीजत की कमी संभावित है, जिससे

लगभग 132.170 लाख रुपये प्रतिवर्ष राजस्व की बचत अपेक्षित है।

प्रदेश में 9 जनवरी तक पूरी हो जाएगी जिलाध्यक्षों की चुनाव प्रक्रिया : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा विश्व की एकमात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी जहां एक निश्चित समय बाद बृथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक निर्वाचन प्रक्रिया के आधार पर बनाए जाते हैं। भाजपा में वर्तमान समय में संगठन पर्व निर्वाचन प्रक्रिया चल रही है। बृथ समिति का निर्विरोध प्रक्रिया समाप्त होने के बाद अब मंडल अध्यक्षों की प्रक्रिया पूरी होने वाली है। इसके बाद 8 से 9 जनवरी तक जिला अध्यक्षों की चुनाव प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

- 'गुजरात के पूर्व सीएम और राजस्थान निर्वाचन अधिकारी रूपानी कराएंगे प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव'
- 'संगठन पर्व पूर्ण होने के बाद कार्यकारिणी का होगा विस्तार, इसके बाद कार्यों के अनुरूप बनाएं जाएंगे पना प्रमुख'

विपक्ष की भूमिका में कांग्रेसी नेताओं को केवल आंदोलन ही करना है। गहलोत और पायलट गत सरकार में भी व्यवस्थित रूप से कार्य नहीं कर पाए और अब विपक्ष में रहकर भी विपक्ष की भूमिका सही नहीं निभा पा रहे। गहलोत सरकार के सभी फैसले या तो चंद लोगों को खुश करने वाले थे या फिर जनता के खिलाफ थे। उन्होंने एक विधानसभा वाले क्षेत्र को जिला बना दिया, जबकि कहीं 8 से 11 विधानसभा वाला क्षेत्र जिला है, कहीं 3.5 लाख जनसंख्या पर जिला बना

दिया तो कहीं 22 लाख की जनसंख्या पर जिला है। ऐसे में उनके निर्णय अप्रासांगिक और अताकिंक थे। मदन राठौड़ ने आगामी बजट को लेकर कहा कि भाजपा सरकार ने अपने पहले बजट में चुनावी घोषणाओं को शामिल करते हुए उद्धे पूरा करने की दिशा में कार्य किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा के संकल्प पत्र में से करीबन 50 फीसदी वादों को पूरा कर दिया और शेष वादों को भी पूरा करने के लिए कार्य योजनाओं को तैयार कर रहे हैं।

राज्यपाल ने श्री क्षेत्र रत्नपुर स्थित भद्र हनुमानजी के दर्शन किए



राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने रविवार को श्री क्षेत्र रत्नपुर (खुलताबाद) स्थित भद्र हनुमानजी के दर्शन कर वहां आयोजित महाआरती में भाग लिया। राज्यपाल बागडे ने भद्र हनुमानजी की विधिवत पूजा-अर्चना की और इस दौरान देश और प्रदेशवासियों की सुख, संपन्नता और खुशहाली के लिए कामना की।

राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में प्रदेश अध्यक्ष पद पर चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष रूप से कराने के लिए गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपानी को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिलाध्यक्षों के निर्वाचन के बाद प्रदेश अध्यक्ष पद की चुनाव प्रक्रिया पूरी होगी और इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाएंगे। इसके बाद कार्यकारिणी बनाई जाएगी और कार्यों का वितरण

योग क्रांति के बाद अब पंच क्रांतियों का शंखनाद : स्वामी रामदेव

जयपुर/हरिद्वार। पंतजलि योगपीठ के परमाध्यक्ष स्वामी रामदेव व महामंत्री आचार्य बालकृष्ण की उपस्थिति में पंतजलि संस्थान का 30वां स्थापना दिवस पंतजलि वैलनेस, हरिद्वार स्थित योगभवन सभागार में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में देशभर के पंतजलि योगपीठ संगठन के 6000 से अधिक प्रभारीगणों की उपस्थिति में स्वामी रामदेव ने विगत 30 वर्षों की सेवा, संघर्ष व साधना से परिचय कराया तथा पंतजलि योगपीठ की भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने योग क्रांति की सफलता के बाद पंच क्रांतियों का शंखनाद करते हुए कहा कि शिक्षा, चिकित्सा, आर्थिक, वैचारिक-सांस्कृतिक व रोगों-भोगों-ग्लानि-कुण्ठाओं से आजादी का बड़ा कार्य पंतजलि से प्रारंभ करना है।



पंतजलि योगपीठ के परमाध्यक्ष स्वामी रामदेव व महामंत्री आचार्य बालकृष्ण की उपस्थिति में पंतजलि संस्थान का 30वां स्थापना दिवस पंतजलि वैलनेस, हरिद्वार स्थित योगभवन सभागार में सम्पन्न हुआ।

उन्होंने कहा कि आज 50 से 90 और कहीं-कहीं तो 99 प्रतिशत पढ़े-लिखे बेरोजगार, नशेड़ी, चरित्रहीन निस्तेज बच्चे तैयार हैं जिनका बचपन, यौवन और हमारा कुलवंश खतरे में है। हमने यह तय किया है कि पहले भारतवर्ष में और फिर पूरी दुनिया में नई शिक्षा व्यवस्था का शंखनाद करेंगे और उसका नेतृत्व भारत करेंगे। पंतजलि गुरुकुलम्, आचार्यकुलम्, पंतजलि विर्यविद्यालय और भारतीय शिक्षा बोर्ड अब नये प्रतिमान गढ़ेंगे। हमारा संकल्प है कि हम आगामी पाँच वर्षों में 5 लाख विद्यार्थियों को भारतीय शिक्षा बोर्ड से जोड़ेंगे। ये शिक्षा की अभिनव क्रांति होगी। हमें बच्चों को केवल शब्दबोध नहीं कराना है, शब्दबोध के साथ विषयबोध, आत्मबोध, सत्यार्थक बचपनबोध व अपने गौरव का बोध कराना है। हम हिन्दी, अंग्रेजी व संस्कृत में पूरे विषय की जानकारी का समावेश करेंगे, पूरे विषय के साथ अपडेट रखेंगे लेकिन उसमें भी 80

प्रतिशत कंटेंट वेद, दर्शन, उपनिषद्, पुराणों का होगा, भारत के गौरव का होगा। उसमें अध्यात्म विद्या होगी, सनातन बोध होगा, भारत बोध होगा। यह मैकाले का एजुकेशन सिस्टम नहीं है। जब भारतीय शिक्षा बोर्ड से पहले एक लाख और बाद में 5 लाख स्कूल एफिलिएटेड हो जाएँ तो भारत का बचपन और यौवन सुरक्षित हो जाएगा, यही शिक्षा की आजादी का संकल्प है। हम भारतीय शिक्षा बोर्ड के माध्यम से विदेशी आक्रमणकारियों, अकबर, औरंगजेब या अंग्रेजों की झूठी महानता नहीं बल्कि छत्रपति शिवाजी महाराज, महाराणा प्रताप व क्रांतिकारियों का सच्चा इतिहास पढ़ाएँगे। रोग हमारा स्वभाव नहीं, योग ही

हमारा स्वभाव है। आज पूरी दुनिया में सिंथेटिक दवा, अलग-अलग प्रकार स्टेरॉयड, पेन किलर इत्यादि खा-खाकर लोगों के शरीर खराब हो रहे हैं। चिकित्सा की आजादी के लिए पंतजलि वैलनेस, योगग्राम, निरामयम, चिकित्सालयों एवं आरोग्य केन्द्रों से लेकर, आधुनिक रिसर्च के माध्यम से ऋषियों की विरासत और विज्ञान की लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। हमने 5000 से अधिक रिसर्च प्रोटोकॉल्स व 500 से अधिक रिसर्च पेपर्स वर्ल्ड क्लास इंटरनेशनल जर्नल्स में पब्लिश करके असंख्य रोगों से मुक्ति का मार्ग दुनिया के सामने रखा है। हमारा संकल्प है कि हम लोगों को रोग होने से बचायेंगे भी और रोग होने के बाद उन रोगों से योग-आयुर्वेद के माध्यम से लोगों को मुक्ति दिलाएँगे। आज पूरी दुनिया में कुछ चंद मुद्दी भर लोगों ने अपने क्रूर पंजों में पूरे अर्थतंत्र को जकड़ रखा है। हमारा लक्ष्य है समृद्धि सेवा के लिए व अर्थ परमार्थ के लिए। अभी तक पंतजलि ने शिक्षा, स्वास्थ्य, अनुसंधान, चरित्र निर्माण, राष्ट्रनिर्माण आदि में 1 लाख करोड़ रुपये की चैरिटी की है। 10 हजार से अधिक सेंटर्स के साथ 25 लाख से अधिक प्रशिक्षित योग शिक्षकों तथा 1 करोड़ कार्यकर्ताओं की निस्वार्थ सेवा से यह सब राष्ट्र निर्माण व चरित्र निर्माण का सेवा कार्य हो रहा है। हमारा संकल्प है कि स्वदेशी का आंदोलन इतना बड़ा खड़ा हो कि आर्थिक लूट, गुलामी और

मुख्यमंत्री के विजयनरी लीडरशिप में प्रदेश में बदल रहा शिक्षा का स्वरूप

- 30 वर्ष पूर्ण होने पर पंतजलि का संकल्प
- 'आगामी पाँच वर्षों में 5 लाख विद्यार्थियों को भारतीय शिक्षा बोर्ड से जोड़ने का लक्ष्य'
- 'अभी तक पंतजलि 1 लाख करोड़ से ज्यादा की चैरिटी कर चुका है'
- '500 करोड़ से ज्यादा दुनिया के लोग योग धर्म, सनातन धर्म में श्रद्धा रखते हैं'

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजयनरी लीडरशिप में राज्य सरकार द्वारा शिक्षण संस्थानों में अध्ययन-अध्यापन कार्य को मजबूती प्रदान करने से लेकर कौशल विकास तक विशेष फोकस किया जा रहा है, ताकि शिक्षा ग्रहण के साथ ही नई पीढ़ी को वर्तमान और भविष्य के लिए तैयार किया जा सके। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार राज्य में संचालित 134 स्वामी विवेकानन्द राजकीय मोडल विद्यालयों को अंग्रेजी स्कूलों में बदल दिया। उन्होंने बताया कि प्रदेश में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए संचालित किए जा रहे कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में सुविधाओं का विस्तार करते हुए ओपनजिम, स्मार्ट किचन एवं लोन्डी मशीनों की स्थापना की गई। मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देने के लिए प्रदेश में लगभग 89 हजार टेबलेट मय इंटरनेट कनेक्शन तथा 8.51 लाख साइकिल वितरित की गईं।

को, ऋषिधर्म को, योगधर्म को युगधर्म के रूप में बढ़ाना है। दुनियां के 500 करोड़ से ज्यादा लोग योग धर्म, सनातन धर्म में श्रद्धा रखते हैं। सड़कमिलकर साथ चलेंगे तो पूरी दुनिया से रिलिजियस टैरिज्म, पॉलिटिकल टैरिज्म और ये शिक्षा व चिकित्सा के नाम पर चल रहा आतंकवाद खत्म होगा। दुनियां में चारों तरफ नशे का खतरनाक खेल चल रहा है। भारत में नशे के दलदल में धंसकर रोग, नशा व अश्लीलता में लोगों के जीवन तबाह हो रहा है। रोग, नशा, अश्लीलता से आजादी का हमारा संकल्प है। पंतजलि के 30 वर्ष पूर्ण होने पर यही है हमारा संकल्प है कि हम पूरे विश्व को योगमय बनायेंगे, चरित्र निर्माण करके आदर्श विश्व नागरिकों का निर्माण करेंगे। कार्यक्रम में आचार्य बालकृष्ण महाराज ने कहा कि श्रद्धेय स्वामी के अखण्ड प्रचण्ड पुरुषार्थ से पंतजलि का योगदान आज पूरी दुनिया को प्रेरणा दे रहा है। पंतजलि में लोगों को स्वास्थ्य देने के लिए अर्थ से परमार्थ का अभियान चलाया है। पंतजलि का 100 प्रतिशत प्राफिट केवल चैरिटी के लिए है। पंतजलि के लिए भारत एक बाजार नहीं बल्कि परिवार है। पंतजलि में 500 से अधिक विश्वस्तरीय वैज्ञानिकों की टीम लगातार रिसर्च करके रोगानुसार विविध प्रकार के रस, क्वाथ, वटियाँ, कैप्सूल, व्हीट ग्रास, एलोवेरा जूस, ऑक्वाला जूस, नीम रस, गिलोय रस आदि रिसर्च एवं एंबेड्डेड वेब्स दवाइयों पूरी दुनिया को उपलब्ध करा रहे हैं। भारत की प्राचीन ज्ञान परम्परा को आधुनिक विज्ञान का प्रयोग करके जन-जन तक पहुँचाने का कार्य भी सर्वप्रथम पंतजलि ने ही किया है। आज पंतजलि ने दुनिया के 200 देशों में करोड़ों लोगों तक योग को गुफाओं व कन्दराओं से निकालकर जन-जन तक पहुँचाने का कार्य किया है। जिस भारत ने पूरी दुनियां को सर्वप्रथम संस्कृत विश्वारा का संदेश दिया वो भारत यदि वैचारिक और सांस्कृतिक गुलामी से गुजर तो ठीक नहीं। आज भारतवर्ष हर बात पर दुनिया के उन दरिद्र देशों पर निर्भर रहता है जिनके पास केवल चंद कागज के टुकड़े, चंद डॉलर्स या पाउण्ड्स हैं। सच्चा व असली धन केवल पैसा नहीं है अपितु अच्छा स्वास्थ्य, सुखी घर-परिवार व चरित्र, योगदान व दैवीय सम्पद ही सच्चा धन है। हमें वैचारिक और सांस्कृतिक गुलामी से भारत को मुक्ति दिलानी है। इसलिए हम कहते हैं कि हमें इस सनातन धर्म को, वेदधर्म